.CLASS:--12TH, HISTORY NOTES, CHAPTER:- 1

15. हड़प्पा सभ्यता में - भेड़बकरी, सुअर जैसे जानवरों के अस्तित्व का अनुमान है।

16. हड़प्पा में पाई जाने वाली लिपि को पढ़ने में विद्वान अभी तक असमर्थ है।

17. हड़प्पा की लिपि दाई से बाईं ओर लिखी जाती थी। इसमें चिह्नों की संख्या 375

से 400 के बीच थी।

18. हड़प्पा सभ्यता में बाट का प्रयोग संभवतः आभूषणों व मनकों को तोलने के लिए होता था जो चर्ट नामक पत्थर से बनाए जाते थे। बाटों के निचले मानदंड द्विआधारी थे।

19. चन्हुदड़ों शिल्प उत्पादन का एक प्रमुख केन्द्र था। शिल्प कार्यों में मनके बनाना,

शंख की कटाई, धातु कर्म, मुहर निर्माण तथा चर्ट बाट बनाना सम्मिलित थे।

20. मुहरों और मुद्रांकनों का प्रयोग लंबी दूरी के संपर्कों को सुविधाजनक बनाने के

लिए होता था।

21. हड़प्पा स्थलों से मिले शवाधानों में आमतौर पर मृतकों को गर्तो में दफनाया

गया था। इनके साथ मृदभाण्ड आदि के अवशेष मिले हैं। शवाधानों के अध्ययन

से सामाजिक आर्थिक विभिन्नता का पता चलता है।